Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding challenges posed by climate change.

श्री रमेश चन्द्र कौशिक (सोनीपत): वैशविक स्तर पर जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और इसके विनाशकारी प्रभावों ने भारत की दहलीज पर भी दस्तक दे दी है । जलवायु परिवर्तन जनित वैश्विक तापमान में बढ़ोत्तरी (ग्लोबल वार्मिंग) के परिणामस्वरूप, इस साल भारत के तटीय इलाकों में एक के बाद एक आठ चक्रवाती तूफान देखने को मिले जिनकी वजह से । व्यापक पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ । जलवायु परिवर्तन के वैश्विक प्रभाव और चुनौतियों से निपटने की कार्ययोजना बनाने पर सभी देशों ने साल के आखिर में पोलैंड में आयोजित "कोप 24 सम्मेलन' में गंभीर मंथन कर कुछ दिशा निर्देश बनाने में कामयाबी जरूर हासिल की तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए पेरिस समझौते में तय की गई कार्य योजना को लागू करने के दिशा निर्देश तय करने में भी कामयाबी हासिल की । विश्व मौसम संगठन के मुताबिक, 2018 बीते 138 सालों में अब तक का चौथा सबसे गरम साल रहा । जलवायु परिवर्तन जनित मौसम की चरम स्थितियों के कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश हिस्सों में तबाही का मंजर देखने को मिला । अतः मेरा आपके माध्यम से माननीय पर्यावरण मंत्री जी से निवेदन है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम करते हुए कुदरत के साथ कदमताल मिलाने की नसीहत देने वाली तमाम रिपोर्टों में "अभी नहीं तो कभी नहीं की चेतावनी देते हुए एक बात साफ तौर पर कही गई है कि धरती को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से बचाने के लिए माकूल वक्त मुट्ठी से रेत की तरह तेजी से फिसल रहा है